Ministry of Culture
Government of India

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

आज़ादी का अमृत महोत्सव

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्योत्सव का तीसरा दिन

शब्द स्वर का साथ पाकर यात्रा करते हैं – सोनल मानसिंह

चित्रकार, नर्तक, फिल्म निर्देशक एवं पूर्व प्रशासकों ने शब्दों और उनकी कला के बीच के रिश्तों को किया उजागर

अनुवाद रचना की पुनर्रचना करता है – वर्षा दास

शिक्षा और सृजनात्मकता विषयक परिचर्चा भी हुई आयोजित

सांस्कृतिक कार्यक्रम में ब्रज की होली की हुई प्रस्तुति

नई दिल्ली। 13 मार्च 2023; साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित छह दिवसीय साहित्योत्सव के तीसरे दिन आज विभिन्न महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। आज का सबसे रोचक और विचारोत्तेजक कार्यक्रम 'शब्द–संसार और मेरी कला' विषयक परिचर्चा थी जिसमें विभिन्न कला क्षेत्रों के महत्त्वपूर्ण लोगों ने शब्द और उनकी कला के संबंधों पर गहराई से प्रकाश डाला। इस परिचर्चा की अध्यक्षता लब्धप्रतिष्ठ शास्त्रीय नृत्यांगना एवं विदुषी सोनल मानसिंह ने की। उन्होंने कहा कि शब्दों में बहुत ताक़त होती है, वे किसी को भी अगर प्रसन्न कर सकते हैं तो किसी को घाव भी दे सकते है। शब्द जो हमारे आस–पास रहते हैं, वे ही हमें कुछ भी रचनात्मक करने के लिए प्रेरणा देते है। शब्द स्वर के द्वारा ही प्रसार पाते हैं। परिचर्चा सत्र के अन्य प्रतिभागी थे – प्रख्यात पखावज वादक अनिल चौधरी, आईपीएस अधिकारी ए.पी. माहेश्वरी, चित्रकार, मूर्तिकार एवं कवि जतिन दास, प्रख्यात फिल्म निर्देशक केतन मेहता, प्रख्यात कथक नृत्यांगना नलिनी, पूर्व आईएएस एवं लेखक राघव चंद्रा, प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना एवं गुरु शोवना नारायण, प्रख्यात कलाकार, लेखिक तथा क्यूरेटर सुजाता प्रसाद और प्रख्यात सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यकर्त्ता संदीप भुटोरिया सभी ने अपने विचार और अनुभव व्यक्त किए।

'आमने–सामने' कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रख्यात गुजराती लेखक गुलाममोहम्मद शेख, हिंदी लेखक बद्रीनारायण, ओड़िआ लेखिका गायत्री बाला पंडा, मलयाळम् लेखक एम. थॉमस मैथ्यू एवं प्रसिद्ध तमिळ लेखक एम. राजेंद्रन से विभिन्न विद्वानों ने बातचीत की।

भाषा सम्मान अर्पण समारोह में आज वर्ष 2019–2020 एवं 2022 के भाषा सम्मान से पुरस्कृत लेखकों को सम्मानित किया गया। पुरस्कृत लेखक थे – ए. दक्षिणामूर्ति, दयानंद भार्गव, मोहम्मद आज़म, सत्येंद्र नारायण गोस्वामी, उदयनाथ झा, अशोक द्विवेदी एवं अनिल कुमार ओझा, होरसिंङ् खोलर। ए. दक्षिणामूर्ति एवं अनिल कुमार ओझा पुरस्कार ग्रहण करने नहीं आ सके।

आज के अन्य कार्यक्रमों में 'अनुवाद–कला : सांस्कृतिक संदर्भ में चुनौतियाँ', 'शिक्षा और सृजनात्मकता' विषयक परिचर्चाएँ एवं 'आदिवासी लेखक सम्मिलन' भी थे। आज सम्मिलित हुए रचनाकार थे – राणा नायर, कलिंग बोरांग, मृणाल मिरी, दामोदर खड़से, वर्षा दास, अनीसुर रहमान, टी.वी. कट्टीमनी, गिरीश्वर मिश्र, गौरहरि दास आदि।

आज सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत ब्रज की होली की प्रस्तुति मथुरा से पधारे कलाकारों ने की।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in